शुक्रवार
26 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 153
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति सामान्य

●प्रशासन और निहंगों के बीच वार्ता जारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। पंजाब से हिमाचल प्रदेश के रास्ते उत्तराखंड की ओर आने का प्रयास कर रहे निहंग सिख समुदाय के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के बीच आज पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रहने के साथ ही सामान्य बनी हुई है। प्रशासन एवं पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने आज उत्तराखंड की प्रवेश सीमा पांवटा साहिब पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांवटा साहिब सीमा पर पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। देहरादून आने-जाने वाले वाहनों की सघन निगरानी एवं जांच की जा रही है। प्रशासन द्वारा निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ गुरुद्वारा पांवटा साहिब में सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता जारी है।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ कर दी गई है और प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन एवं पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आपसी संवाद के माध्यम से स्थिति को पूर्णत: सामान्य बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि सीमा क्षेत्र सहित सभी संभावित प्रवेश मार्गों पर पुलिस बल की प्रभावी तैनाती कर नाकेबंदी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

चमोली में बादल फटने से मची भारी तबाही

●हाईवे पर लगी वाहनों की लंबी कतारें, दुकानों और इंटर कालेज में घुसा मलबा
●बदरीनाथ हाईवे बाधित, लोग दहशत में

कार्यालय संवाददाता

देहरादून/चमोली। मानसून की पहली तेज बारिश ने पहाड़ की नाजुक भौगोलिक स्थिति की एक बार फिर पोल खोल दी। चमोली जिले के नारायणबगड़ क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि ने कुछ ही घंटों में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। पहाड़ों से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर बहकर बाजार, दुकानों और राजकीय इंटर कालेज परिसर में जा घुसे। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी मलबा आने से यातायात बाधित हो गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

रातभर हुई मूसलाधार बारिश के बाद सुबह लोगों ने जब घरों और दुकानों के दरवाजे खोले तो सामने तबाही का मंजर था। कई दुकानों में घुटनों तक मलबा भर चुका था। व्यापारियों का सामान कीचड़ और पत्थरों के नीचे दब गया। राजकीय इंटर कालेज के परिसर और कमरों में भी मलबा घुसने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बारिश इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पहाड़ों से उफनता पानी और मलबा नीचे बाजार की ओर बह निकला। देखते ही देखते सड़कें नालों में बदल गईं और पानी अपने साथ पत्थर, पेड़ और मिट्टी लेकर बाजार में घुस गया।

स्थानीय लोगों ने किसी तरह दुकानों और घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। कई परिवारों ने पूरी रात भय के साये में गुजारी। अतिवृष्टि का सबसे बड़ा असर बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिखाई दिया। कई स्थानों पर मलबा और बोल्डर आने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रशासन ने सुरक्षा की दृदृष्टि से वाहनों को रोक दिया और सड़क खोलने के लिए मशीनें लगाई गईं। चारधाम यात्रा पर निकले श्र(ालुओं को भी घंटों इंतजार करना पड़ा। हालांकि राहत एवं बचाव दल ने सड़क से मलबा हटाने का काम यु(स्तर पर शुरू कर दिया। नारायणबगड़ के राजकीय इंटर कालेज परिसर में मलबा भर जाने से विद्यालय को भारी नुकसान पहुंचा है। परिसर, खेल मैदान और कुछ कक्षाओं में मिट्टी और पत्थर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, लोक निर्माण विभाग, एनएच और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। जेसीबी मशीनों की मदद से सड़कें खोलने और बाजार से मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया।प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी भारी बारिश की संभावना जताए जाने के बाद प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

उत्तराखंड में मानसून आते ही पहाड़ों का दर्द फिर सामने आ जाता है। कहीं सड़कें टूटती हैं, कहीं पुल बह जाते हैं और कहीं बाजार मलबे में दब जाते हैं। नारायणबगड़ की घटना केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि पहाड़ों में आपदा प्रबंध न और पूर्व तैयारी की वास्तविक परीक्षा भी है। सवाल यह है कि क्या हर मानसून के बाद केवल मलबा हटाना ही समाधान है, या अब स्थायी उपायों पर गंभीरता से काम करने का समय आ गया है?

दून वैली मेल

संपादकीय

नागरिकता जाने का डर

क्या आप भारत के नागरिक है? यह सवाल आजकल हर एक भारतवासी को डरा रहा है। यह डर बेवजह इसलिए नहीं है क्योंकि अब तक आपकी जेब में जितने भी कार्ड थे जिन्हें बनवाने के लिए आप लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहते थे तथा सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते रहे हैं उनमें से कोई भी कार्ड इस बात को प्रमाणित नहीं करता है कि आप भारत के ही नागरिक हैं भले ही वह आधार कार्ड हो, पैन कार्ड हो अथवा आपका वह पासपोर्ट जिसे लेकर आप विदेशों की सैर पर जाते हैं और इसे दिखाकर दावा करते हैं कि आप भारत के नागरिक हैं। अब सरकार ने साफ कर दिया है कि आपका पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा का अनुमति पत्र है नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं। निर्वाचन आयोग आपके वोटर कार्ड को नागरिकता का प्रमाण नहीं मानता है वह सिर्फ आपको वोट डालने का ही अधिकार देता है जैसे राशन कार्ड और गैस सिलेंडर खरीदने का। खास बात यह है कि अगर इन सभी कार्डों का भारत की नागरिकता से कोई मतलब नहीं है तो फिर इन कार्डों को बनवाना अनिवार्यता क्यों कहा जाता रहा है? आधार कार्ड को लेकर कहां जाता है कि यह आपका सबसे बड़ा पहचान पत्र है। कहीं जाइए सबसे पहले आपसे आधार कार्ड दिखाने की बात ही कही जाती है। एक अहम और महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार के पास इस सवाल का कोई जवाब भी नहीं है कि किसी व्यक्ति को अपनी नागरिकता को प्रमाणित करने के लिए कौन सा दस्तावेज दिखाना पड़ेगा? या जरूरी है इस सवाल के जवाब में वही पुरानी संवैधानिक व्यवस्था जिसमें उसकी वंशावली, जन्म स्थान जैसी चार अहिर्ताए शामिल है का हवाला दिया जाता है। 5-6 दशक पूर्व जिन लोगों का जन्म हुआ है उन्हें पता है कि पहले सरकारी स्तर पर उस तरह की कोई व्यवस्था नहीं थी कि जन्म और मृत्यु के प्रमाण पत्र जारी किए जाते हो। माता-पिता तक को अपने बच्चों की जन्मतिथि सही-सही पता नहीं होती थी स्कूलों में प्रवेश के समय मास्टर जी ही अपनी मर्जी से बच्चों की जन्म तिथि लिख देते थे और नागरिकता का प्रमाण पत्र वही दस्तावेज बन जाते थे। लेकिन अब यह मोदी का नया भारत है वह भी बदला हुआ भारत है। जहां सब कुछ बदला जा चुका है या बदले जाने की कोशिशें जारी है। अब इस भारत में घुसपैठियों का शोर है जिन्हें सरकार खदेड़ने का दावा कर रही है? यह अलग बात है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से पूर्व 27 लाख वोटरों का नाम मतदाता सूची से काटने का जो कारनामा एसआईआर के जरिए किया गया उन्हें न्यायालय भी वोट का अधिकार नहीं दिला पा रहा है लेकिन सरकार अभी तक 100-200 घुसपैठियों को न तलाश कर सकी है न देश से निकाल सकी है भारत का संविधान कहता है कि हर भारतीय को वोट का अधिकार है। यानी कि जो वोट डालने का अधिकार रखता है वह भारत का नागरिक है। क्योंकि यह अधिकार सिर्फ नागरिकों को ही प्राप्त है किसी विदेशी को नहीं हो सकता। तब फिर वोटर कार्ड रखने वालों को भारत का नागरिक क्यों नहीं माना जा रहा है। क्यों उनके वोट का अधिकार छीना जा रहा है? इसके पीछे क्या कोई बड़ा सरकारी षड्यंत्र छिपा है? पीएम मोदी का अपने बारे में कहना है कि जब उनका जन्म हुआ था तो आईटी के एक्सपर्टो द्वारा उनके दिमाग में एक ऐसी चिप फिट कर दी गई थी कि वह छोटा तो सोच ही नहीं सकते हैं। आज तक हालांकि वह स्वयं की पैदाइश को नॉन बायोलॉजिक बताने से लेकर अपने बारे में क्या-क्या कहते रहे हैं उनकी शिक्षा और चाय बेचने वाली तक हर बात एक रहस्य से कम नहीं है। वह क्या कुछ बड़ा करने वाले हैं यह तो पता नहीं लेकिन चर्चा यही है कि यह एनआरसी की तैयारी है। कुछ भी सही फिलहाल हर आदमी को इस बात का डर जरूर सता रहा है कि वह अपनी नागरिकता का प्रमाण पत्र दे भी पाएगा या नहीं? पता नहीं सरकार क्या-क्या मांग ले।

निः शुल्क चिकित्सा एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सम्पन्न

हमारे संवाददाता

टिहरी। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरेन्द्र नगर में आज निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन यशवन्त सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक/निदेशक, पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के निर्देशन में किया गया। शिविर के दौरान पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणाधीन प्रशिक्षुओं का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त जांच एवं नेत्र परीक्षण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। शिविर में फिजीशियन डॉ. जैब एवं डॉ. सोहेल अहमद तथा नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जतिन कुमार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान उनके सहयोगार्थ अखिल सैनी,नितिन कुमार,प्रमोद कुमार एवं सुमित कुमार ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

शह और मात का 'एडवांस गेम'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने चुनावी घंटी बजने का इंतजार नहीं किया, बल्कि हर विधानसभा में अपनी चुनावी चौकी बिठा दी है। अब सवाल यह है कि विपक्ष अभी रणनीति बनाएगा या भाजपा की बिसात पर चाल चलने को मजबूर होगा? उत्तराखंड की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2027 की आहट अभी दूर दिखाई देती है, लेकिन भाजपा ने चुनावी शतरंज की बिसात अभी से बिछा दी है। प्रदेश की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग कोर कमेटियों का गठन कर भाजपा ने साफ संकेत दे दिया है कि इस बार चुनाव केवल प्रचार से नहीं, बल्कि सूक्ष्म संगठनात्मक प्रबंधन के दम पर लड़ा जाएगा।

प्रदेश संगठन का यह कदम सामान्य राजनीतिक गतिविधि नहीं माना जा रहा। इसके पीछे बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना, स्थानीय असंतोष की पहचान करना, संभावित प्रत्याशियों की ताकत और कमजोरी का आकलन करना तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना प्रमुख उद्देश्य माना जा रहा है।

भाजपा की नई रणनीति के तहत प्रत्येक विधानसभा सीट पर गठित कोर कमेटी सीधे प्रदेश नेतृत्व को फीडबैक देगी। इसमें क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियां, जातीय एवं सामाजिक समीकरण, स्थानीय मुद्दे, विकास कार्यों की स्थिति, विपक्ष की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी जैसे विषय शामिल रहेंगे। इसका अर्थ साफ है कि पार्टी अब चुनावी निर्णय केवल देहरादून में बैठकर नहीं बल्कि प्रत्येक विधानसभा से मिलने वाले वास्तविक फीडबैक के आधार पर करेगी।

●70 सीटों पर भाजपा ने तैयार की अपनी कोर कमेटियां
●भगवा बिसात पर चाल चलने को मजबूर होगा विपक्ष
●मिशन-2027 के लिए कोर कमेटियों का चुनावी चक्रव्यूह
●70 विधानसभा सीटों पर अलग-अलग टीमों की गई तैनाती
●बूथ से लेकर टिकट तक की नब्ज टटोलेगा भाजपा संगठन

सबसे अधिक फोकस उन सीटों पर किया जा रहा है जहां 2022 के चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। इन सीटों पर सांसद, वरिष्ठ नेता और संगठन पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है ताकि कमजोर बूथों की पहचान कर उन्हें मजबूत किया जा सके। साथ ही उन क्षेत्रों में लगातार जनसंपर्क अभियान चलाने की भी योजना है जहां पार्टी का वोट प्रतिशत कम रहा था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा इस बार टिकट वितरण से पहले ही संभावित दावेदारों के प्रदर्शन की निगरानी शुरू कर चुकी है। कोर कमेटियां यह भी देखेंगी कि कौन नेता जनता के बीच सक्रिय है, किसकी स्वीकार्यता अधिक है और किसके खिलाफ स्थानीय स्तर पर नाराजगी है। ऐसे में टिकट की दौड़ अब केवल नेताओं की राजनीतिक पहुंच से नहीं बल्कि उनके जमीनी प्रदर्शन से भी तय होती दिखाई दे सकती है।

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती सत्ता विरोधी माहौल को नियंत्रित करना होगी। लगातार दो कार्यकाल सरकार चलाने के बाद स्वाभाविक रूप से जनता की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। बेरोजगारी, पलायन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है। ऐसे में कोर कमेटियां केवल चुनावी मशीनरी नहीं बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का माध्यम भी बनेंगी।

दूसरी ओर कांग्रेस अभी संगठनात्मक पुनर्गठन और नेतृत्व की मजबूती में जुटी दिखाई दे रही है। प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का प्रयास कर रही है, लेकिन भाजपा जिस गति से विधानसभा स्तर तक संगठनात्मक ढांचा मजबूत कर रही है, उससे राजनीतिक मुकाबला और रोचक होने की संभावना है।

राजनीतिक दृदृष्टि से देखा जाए तो भाजपा का यह कदम केवल संगठन विस्तार नहीं बल्कि चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट का माडल है। बूथ से लेकर विधानसभा और विधानसभा से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक एक मजबूत फीडबैक सिस्टम तैयार कर पार्टी चुनावी जोखिम को पहले ही कम करना चाहती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा की यह संगठनात्मक तैयारी 2027 में चुनावी बढ़त दिलाती है या कांग्रेस और अन्य दल स्थानीय मुद्दों के सहारे इस रणनीति को चुनौती देने में सफल होते हैं। लेकिन इतना तय है कि उत्तराखंड का चुनावी रण अब समय से पहले ही गर्म होना शुरू हो चुका है।

उत्तराखंड में नीट पर 'महासंग्राम'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। नीट परीक्षा को लेकर कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार और उत्तराखंड सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों के बीच प्रदेश की सियासत गर्मा गई है। भाजपा ने कांग्रेस के हमलों का तीखा जवाब देते हुए विपक्ष पर छात्रों के भविष्य को राजनीतिक हथियार बनाने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि कांग्रेस युवाओं के भविष्य की चिंता नहीं, बल्कि उनके नाम पर घटिया राजनीति कर रही है।

महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड के युवा जागरूक, समझदार और विवेकशील हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। इसलिए दिल्ली से भेजे गए राहुल गांधी के संदेशवाहकों के झूठ, भ्रम और प्रपंच में देवभूमि के छात्र आने वाले नहीं हैं। भट्ट ने कहा कि कांग्रेस हर राष्ट्रीय मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। नीट जैसे संवेदनशील विषय पर भी विपक्ष तथ्यों के बजाय भ्रम फैलाने में लगा है। उनका आरोप था कि कांग्रेस छात्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान में

रुचि लेने के बजाय उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को

●कांग्रेस के हमलों पर भाजपा का जवाब-छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं
●नीट पर छात्रों का नहीं, राजनीति का पेपर दे रही कांग्रेस
●भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र ने किया कांग्रेस पर पलटवार
●युवाओं के भविष्य पर सियासत कर रही है कांग्रेस पार्टी

अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए केंद्र सरकार लगातार सुधार कर रही है। यदि कहीं कोई अनियमितता सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी की जाती है। ऐसे में पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा करना केवल राजनीतिक स्वार्थ को दर्शाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और सख्त नकल विरोधी कानून जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पेपर लीक के मामलों पर धामी सरकार ने जिस कठोरता से कार्रवाई की, उससे युवाओं का विश्वास मजबूत हुआ है। भट्ट ने कहा कि कांग्रेस आज उन्हीं युवाओं के नाम पर राजनीति कर रही है, जिनके हितों की अनदेखी उसने अपने शासनकाल में की थी।

चकराता में छावनी परिषद ने हटाया अतिक्रमण

विकासनगर(आरएनएस)। छावनी परिषद चकराता ने बाजार क्षेत्र में अभियान चलाकर अतिक्रमण, एक्सपायरी खाद्य सामग्री और प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान परिषद की टीम ने विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया, जिसमें कई दुकानों में एक्सपायरी अवधि पूरी कर चुके खाद्य और दैनिक उपयोग के उत्पाद पाए गए। इन उत्पादों को तत्काल जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर भी सख्ती बरतते हुए बड़ी मात्रा में पॉलीथिन जब्त की गई। अभियान के तहत बाजार की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर रखे गए सामान को भी हटाकर कब्जे में लिया गया।परिषद की टीम ने स्पष्ट किया कि सड़क और फुटपाथों पर सामान रखकर अतिक्रमण करना नियमों का उल्लंघन है, जिससे आम लोगों और पर्यटकों को आवागमन में परेशानी होती है। इस कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। राजस्व अधीक्षक शेखर धीमान ने बताया कि छावनी परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण, एक्सपायरी सामान की बिक्री और प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य व्यापारियों को परेशान करना नहीं, बल्कि जनहित में स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बाजार व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने व्यापारियों से नियमों का पालन करने और एक्सपायरी उत्पादों व प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग न करने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में यदि किसी दुकान में ऐसे सामान पाए गए या अतिक्रमण किया गया तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कूड़े का रीसाइक्लिंग प्लांट लगाने पर हुई चर्चा

पिथौरागढ़(आरएनएस)। नगर पंचायत कार्यालय में कूड़ा निस्तारण को लेकर बैठक हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह पांगती की अध्यक्षता में हुई बैठक में तल्ला घोरपट्टा वार्ड में प्रस्तावित कूड़ा रीसाइक्लिंग प्लांट को लेकर उत्पन्न स्थानीय विरोध और उसके समाधान को लेकर चर्चा हुई। तल्ला घोड़पट्टा क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों की ओर से इस परियोजना का विरोध किया जा रहा था। ग्रामीणों को आशंका थी कि उनके क्षेत्र में कूड़ा डंप किया जाएगा, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अधिकारियों ने बैठक में स्पष्ट किया कि यह परियोजना कूड़ा डंपिंग स्थल नहीं बल्कि एक आधुनिक रीसाइक्लिंग प्लांट है, जहां कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्चक्रण किया जाएगा। एसडीएम ललित मोहन तिवारी ने भी स्थानीय लोगों से वार्ता कर बताया कि इस प्लांट का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना और कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना है, न कि किसी प्रकार का प्रदूषण फैलाना। बैठक में यह भी सहमति बनी कि आगामी दिनों में गांव में एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों को परियोजना से जुड़ी सभी जानकारी विस्तार से दी जाएगी। उनकी शंकाओं का समाधान हो सके और आपसी सहमति से आगे की कार्रवाई की जा सके। इस दौरान प्रमोद द्विवेदी, दिनेश सुमतियाल, गौतम पंचपाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

13 लाख से अधिक भक्तों ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ धाम में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या पूर्व वर्ष से अधिक पहुंची है। यात्रा दो माह के बाद यात्रा कंट्रोल रूम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार करीब 13 लाख 12 हजार 449 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। स्थानीय व्यवसायी मुन्ना सिंह ने बताया कि गत वर्षों की अपेक्षा अभी तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं। 13 लाख से अधिक यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं जिससे स्थानीय व्यापार को भी मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि धाम में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।

पुरोला नगर क्षेत्र में सुरक्षा के लिए लगाए जाएंगे अग्निशमन उपकरण

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में नगर पालिका परिषद पुरोला ने पहल शुरू कर दी है। नगर पालिका कार्यालय, मीटिंग हॉल एवं सार्वजनिक लाइब्रेरी सहित परिसर के विभिन्न भवनों में अग्निशमन उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इससे किसी भी आपात स्थिति में जन-धन की सुरक्षा की जा सकेगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने बताया कि नगर पालिका द्वारा कुल 20 अग्निशमन उपकरणों की मांग भेजी गई है। इन उपकरणों को नगर पालिका परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण भवनों में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बढ़ती सुरक्षा आवश्यकताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है जिससे आगजनी जैसी घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अग्निशमन विभाग की टीम ने नगर पालिका परिसर का निरीक्षण कर उपकरण लगाने के लिए स्थानों का चयन किया। इस दौरान अग्निशमन विभाग के मुन्ना चौहान, विक्रम शर्मा सहित अन्य कर्मचारियों ने कार्यालय, मीटिंग हॉल और लाइब्रेरी में आवश्यक स्थानों को चिह्नित किया। अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने कहा कि उपकरण स्थापित होने के बाद कर्मचारियों को इनके उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पहाड़ में छिपा अनमोल खजाना 'खेणु'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के बच्चों की जेब में कभी टाफियां नहीं होती थीं, लेकिन जंगलों की मिट्टी में छिपा खेणु उनकी मुस्कान का सबसे मीठा कारण हुआ करता था। उत्तराखंड के पहाड़ केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि जैव विविधता और पारंपरिक खाद्य संपदा के लिए भी जाने जाते हैं। इन्हीं प्राकृतिक ध रोहरों में एक नाम है खेणु का, जो आज भी पहाड़ के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की पसंदीदा वन उपजों में गिना जाता है। आधुनिक जीवनशैली और बाजारवाद के दौर में भले ही इसकी चर्चा कम होती हो, लेकिन गांवों में इसका स्वाद और महत्व आज भी बरकरार है।

खेणु को कई लोग तिमला का छोटा भाई भी कहते हैं। दोनों पौधे एक ही परिवार से जुड़े माने जाते हैं और दोनों में कई समान गुण पाए जाते हैं। अंतर सिर्फ इतना है कि तिमला के मीठे फल पेड़ों की शाखाओं पर दिखाई देते हैं, जबकि खेणु का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि इसके फल जमीन के नीचे विकसित होते हैं। यही विशेषता इसे अन्य फलों से अलग पहचान देती है।

बरसात के मौसम में जब पहाड़ की मिट्टी नमी से भर जाती है, तब खेणु के पौधों के आसपास जमीन के भीतर छोटे-छोटे फल तैयार होने लगते हैं। ग्रामीण बच्चे और महिलाएं इन्हें खोजने के लिए जंगलों, खेतों की मेड़ों और झाड़ियों के आसपास निकल पड़ते हैं। मिट्टी को हल्का सा हटाने पर मिलने वाला यह फल स्वाद में मीठा और बेहद सुगंधित होता है। इसकी प्राकृतिक मिठास लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

❑जमीन के नीचे उगता है स्वाद और सेहत का संगम
❑स्वाद, परंपरा और औषधीय गुणों का अनोखा स्त्रोत
❑गांवों में इसका स्वाद और महत्व आज भी बरकरार

खेणु केवल स्वाद का खजाना नहीं, बल्कि लोकजीवन का भी हिस्सा है। पुराने समय में जब बाजारों से मिलने वाले फल और मिठाइयां गांवों तक आसानी से नहीं पहुंचती थीं, तब बच्चे और युवा जंगलों से मिलने वाले खेणु, तिमला, काफल, हिसालू और बेडू जैसे फलों का आनंद लेते थे। यही कारण है कि खेणु से जुड़ी अनेक स्मृतियां आज भी पहाड़ के बुजुर्गों की यादों में जीवित हैं।

स्थानीय लोगों का मानना है कि खेणु में कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। पारंपरिक ज्ञान के अनुसार इसका सेवन पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं और गर्मी के मौसम में यह ताजगी का एहसास कराता है। हालांकि इसके औषधीय गुणों पर वैज्ञानिक शोध सीमित हैं, लेकिन लोक अनुभवों में इसे स्वास्थ्यवर्धक फल माना जाता रहा है।

दुर्भाग्य से बदलती जीवनशैली, जंगलों में घटती जैव विविधता और नई पीढ़ी की कम होती रुचि के कारण खेणु जैसे पारंपरिक फल धीरे-धीरे लोगों की स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। आज के बच्चों को विदेशी फलों के नाम तो याद हैं, लेकिन अपने पहाड़ की इस अनमोल देन के बारे में जानकारी कम होती जा रही है। यदि स्थानीय वनस्पतियों और पारंपरिक खाद्य संसाधनों का संरक्षण किया जाए तो न केवल जैव विविधता सुरक्षित रहेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया आधार मिल सकता है। खेणु जैसे फल पहाड़ की पहचान हैं और इन्हें संरक्षित करना सांस्कृतिक विरासत को बचाने जैसा है।

पहाड़ की मिट्टी में छिपा यह छोटा सा फल केवल स्वाद नहीं, बल्कि प्रकृति और लोकजीवन के गहरे रिश्ते की कहानी भी कहता है। तिमला की तरह गुणकारी और स्वादिष्ट खेणु आज भी उन लोगों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, जो पहाड़ की प्रकृति को करीब से जानते और समझते हैं।

गर्मी के पारे से सूख रही फसले

रुड़की (आरएनएस)। जनपद में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित रहा। तेज गर्मी का असर कृषि क्षेत्र पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

जिले में करीब 500 हेक्टयर क्षेत्र में सब्जियों की खेती की जाती है। जिसमें बैंगन, तुरई, टमाटर, लौकी, तरबूज, शिमला मिर्च और पेठा प्रमुख फसलें हैं। लगातार बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं से सब्जी फसलों पर संकट गहराने लगा है।

एक फोन के लिए चढ़नी पड़ती है चढ़ाई

चमोली (आरएनएस)। डिजिटल युग में जहां देश 5जी सेवाओं की ओर तेजी से बढ़ रहा है वहीं चमोली जिले की निजमुला घाटी के ग्रामीण आज भी एक फोन करने के लिए एक किमी दूर या फिर पहाड़ी पर जाते हैं।

घाटी के मोली और हडुंग गांव अब तक संचार सेवा से नहीं जुड़ पाए हैं जबकि गाड़ी, व्यारा, निजमुला और पगना क्षेत्रों में भी मोबाइल नेटवर्क की स्थिति बेहद खराब है।

मोली-हडुंग गांव के ग्राम प्रधान भगत सिंह फरस्वाण ने बताया कि ग्रामीण वर्षों से बेहतर संचार सुविधा की मांग कर रहे हैं लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। गाड़ी गांव की ग्राम प्रधान मंदोदरी देवी ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से संचार व्यवस्था चरमराई हुई है।

मोबाइल से परिचितों से बातचीत ही नहीं हो पाती। इससे ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर जिलाधिकारी गौरव कुमार का कहना है कि क्षेत्र में संचार सेवा का विस्तार किया जाएगा।

रेडक्रॉस की जनसेवा होगी और मजबूत, स्ट्रेचर खरीदे गए

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संस्था की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सहायता से जुड़े कार्यों को गति देने पर जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि जरूरतमंद मरीजों एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेडक्रॉस द्वारा नए स्ट्रेचर खरीदे गए हैं। इनकी मदद से अस्पतालों और अन्य आवश्यक स्थानों पर मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। सदस्यों ने इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक के दौरान शव वाहन खरीदने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि खरीद प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में राहत मिल सकेगी। सदस्यों ने कहा कि शव वाहन की उपलब्धता से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा लंबे समय से प्रस्तावित रेडक्रॉस भवन के निर्माण को लेकर भी सकारात्मक प्रगति की जानकारी साझा की गई।

बैठक में बताया गया कि भवन निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है और जल्द ही इस दिशा में ठोस कार्य शुरू होने की उम्मीद है। भवन बनने के बाद रेडक्रॉस की गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जनसेवा कार्यों को एक स्थायी एवं व्यवस्थित केंद्र मिलेगा। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं, रक्तदान जागरूकता, आपदा प्रबंधन, राहत कार्यों तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रेडक्रॉस मानव सेवा के अपने उद्देश्य के प्रति सदैव समर्पित रहा है और भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। बैठक में रेडक्रॉस अध्यक्ष आशीष वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, सचिव विनीत बिष्ट, कोषाध्यक्ष दीप जोशी, यूथ अध्यक्ष अमित साह मोनू, यूथ सचिव मनोज भंडारी, उपाध्यक्ष अर्जुन बिष्ट, उपसचिव अभिषेक जोशी, संदीप नयाल, देवेंद्र भट्ट रिक्की सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हायपोथायरायडिज्म का कारण बन सकती हैं ये गलतियां, जानिए इनसे बचाव के तरीके

हायपोथायरायडिज्म एक ऐसी स्थिति है, जिसमें थायरॉयड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हार्मोन का उत्पादन नहीं करती है। यह स्थिति शरीर के कई कार्यों को प्रभावित कर सकती है। अक्सर लोग बिना जाने कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे हायपोथायरायडिज्म का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही यह भी जानें कि इन्हें कैसे टाला जा सकता है।

आयोडीन का अत्यधिक सेवन

आयोडीन थायरॉयड हार्मोन के निर्माण के लिए जरूरी तत्व है, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन हायपोथायरायज्म को बढ़ा सकता है। आयोडीन की अधिक मात्रा से थायरॉयड ग्रंथि पर दबाव पड़ता है, जिससे यह सही ढंग से काम नहीं कर पाती। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या गंभीर हो सकती है। इसलिए, आयोडीन युक्त खाने-पीने की चीजों का सेवन संतुलित मात्रा में ही करें और डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी सप्लीमेंट का सेवन न करें।

तनाव बढ़ना

तनाव भी हायपोथायरायज्म का एक बड़ा कारण हो सकता है। मानसिक दबाव से शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जो थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को प्रभावित करता है। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए रोजाना ध्यान, योग या अन्य मानसिक शांति देने वाली गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इससे न केवल आपका मन शांत रहेगा, बल्कि थायरॉयड ग्रंथि भी सही तरीके से काम करेगी।

खान-पान सही न होना

खान-पान सही न होना भी हायपोथायरायज्म के जोखिम को बढ़ा सकता है। खासकर ऐसे खाने का सेवन करना, जो थायरॉयड ग्रंथि को नुकसान पहुंचा सकते हैं या उसकी कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए अपने खाने में आयोडीन, सेलेनियम और जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा सोया उत्पाद, कुछ सब्जियां और कैफीन युक्त चीजों से दूरी बनाकर रखें। डॉक्टर से सलाह लेकर डाइट प्लान तैयार करें।

व्यायाम न करना

व्यायाम न करना भी हायपोथायरायज्म के जोखिम को बढ़ा सकता है। नियमित व्यायाम करने से शरीर के हार्मोन्स संतुलित रहते हैं और पाचन क्रिया अच्छी तरह काम करती है। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या कम होती है। इसलिए, रोजाना कम से कम 30 मिनट तक कोई न कोई व्यायाम जरूर करें। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा, स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल रखा जा सकता है और थायरॉयड ग्रंथि सही तरीके से काम करेगी।

अनियमित नींद लेना

नींद हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अगर आप अनियमित नींद लेते हैं तो इससे न केवल आपका मूड खराब होता है, बल्कि यह थायरॉयड ग्रंथि पर भी बुरा असर डालता है। पर्याप्त और नियमित नींद लेने से थायरॉयड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है और हायपोथायरायज्म की समस्या नहीं होती। इसलिए, हर रोज 7-8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। इसके अलावा सोने और जागने का समय भी नियमित होना चाहिए।

ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

एयर फ्रायर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो कम तेल में तली चीजों को कुरकुरा बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदने वाले हैं तो आपको कुछ खास बातों पर ध्यान देना चाहिए ताकि आपको बेहतरीन और आपकी जरूरतों के अनुसार ही मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी अहम बातें बताते हैं, जिनसे आपको सही एयर फ्रायर खरीदने में मदद मिलेगी।

एयर फ्रायर की क्षमता पर दें ध्यान

एयर फ्रायर खरीदते समय उसकी क्षमता पर ध्यान दें। बाजार में अलग-अलग आकार और क्षमता वाले एयर फ्रायर मिलते हैं। अगर आपके परिवार में चार से पांच लोग हैं तो 5 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर चुनें, वहीं अगर आपका परिवार छोटा है तो 2.5 लीटर से 4 लीटर क्षमता वाला एयर फ्रायर काफी रहेगा। इसके अलावा अगर आप अक्सर मेहमानों के लिए खाना बनाते हैं तो 6 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर खरीदें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

शंकरपुर चौपाल में जिलाधिकारी ने परखी विकास योजनाओं की स्थिति

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में जनसुविधाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करने और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने शंकरपुर क्षेत्र का व्यापक भ्रमण किया। राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज शंकरपुर में उन्होंने चौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर स्थानीय आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली, वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग खंड धुमाकोट कार्यालय तथा अदालीखाल पंपिंग योजना का निरीक्षण कर सड़क एवं पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान तथा विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने नैनीडांडा में अधूरे पड़े मिनी स्टेडियम का मामला उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यदि शासन स्तर से धनराशि स्वीकृत नहीं होती है तो प्रस्ताव जिला स्तर पर प्रेषित किया जाए ताकि निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा सके। क्षेत्र की लगभग 20 ग्राम पंचायतों में नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या पर उन्होंने संबंधित विभागों के साथ बैठक कर प्रभावी समाधान निकालने की बात कही।

वन्यजीवों के बढ़ते खतरे के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त की जा रही है तथा गुलदार की गतिविधि यों वाले स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगे। चौपाल में कमेड़ा पंपिंग योजना, बिना जलापूर्ति के निर्मित टंकियों तथा स्टैंडपोस्टों से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। जिलाधिकारी ने इन मामलों की जांच कराने के निर्देश देते हुए अधिशासी अभियंता को क्षेत्र में रुककर स्थलीय निरीक्षण करने तथा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

गौला मल्ला, क्यार्की मल्ली सहित अन्य क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति संबंधी शिकायतों पर उन्होंने जल निगम एवं जल संस्थान को संयुक्त निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सड़क मार्गों पर पड़े मलबे की शिकायत पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को जेसीबी लगाकर मार्गों को सुचारु रखने के निर्देश दिए। मनरेगा जॉब कार्ड काटे जाने की शिकायत पर उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामसभा के प्रस्ताव के बिना किसी का जॉब कार्ड नहीं काटा जा सकता तथा ऐसा मामला मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर मरीजों की सुविधा के लिए स्ट्रेचर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, पेड़ों पर टूटे विद्युत तारों से करंट आने की शिकायत पर संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई कर समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालय में बालिका शौचालय निर्माण एवं भवन मरम्मत की मांग पर जिलाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। शंकरपुर क्षेत्र में पेयजल कनेक्शन काटे जाने और जलापूर्ति बाधित होने की शिकायत मिलने पर उन्होंने चौपाल के बाद स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा अधिशासी अभियंता को एक सप्ताह के भीतर पेयजल आपूर्ति सुचारु करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली पर यूकेडी का प्रदर्शन

बागेश्वर (आरएनएस)। जिले की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्वास्थ्य सेवाओं में शीघ्र सुधार की मांग की और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में अव्यवस्थाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कांडा क्षेत्र के बनेगांव में पेड़ गिरने से घायल हुई महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि आपदा संभावित क्षेत्र होने के बावजूद कांडा अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों, संसाधनों और आवश्यक सुविधाओं का अभाव है।गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर करना उनकी जान को जोखिम में डाल सकता है।यूकेडी नेताओं ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उद्यमस्थल में चिकित्सक की अनुपस्थिति और पल्स पोलियो अभियान के लिए बुलाए गए आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण नहीं दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बेहतर यात्रा प्रबन्धन, दक्षता हेतु पत्रकार संघ ने एसपी उत्तरकाशी को किया सम्मानित

संवाददाता

उत्तरकाशी। बेहतर यात्रा प्रबन्धन तथा समग्र प्रशासनिक दक्षता हेतु जिला पत्रकार संघर ने एसपी श्रीमती कमलेश उपाध्याय को सम्मानित किया।

आज यहां जिला पत्रकार संघ (ट्रस्ट) के तत्वावधान में बड़कोट में आयोजित अधिवेशन एवं सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय को चारधाम यात्रा-2026 के दौरान उत्कृष्ट यात्रा प्रबंधन, प्रभावी यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, खोया-पाया सहायता सेवाओं तथा समग्र प्रशासनिक दक्षता के लिए 'उत्कृष्ट सुशासन गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला पत्रकार संघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उत्तरकाशी पुलिस के उन सभी अधिकारी एवं जवानों के समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और अथक परिश्रम का सम्मान है, जिन्होंने चारधाम यात्रा के दौरान भीषण धूप, वर्षा एवं विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच निरंतर सेवाएं देकर यात्रा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने चारधाम यात्रा के सफल संचालन में मीडिया की सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया ने यात्रा से संबंधित सही एवं प्रमाणिक जानकारी समय-समय पर श्रद्धालुओं तक पहुंचाई, भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाओं के प्रति जनमानस को जागरूक किया तथा यात्रा व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता वाले विषयों को भी जिम्मेदारीपूर्वक शासन-प्रशासन के समक्ष रखा। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि चारधाम यात्रा-2026 के लिए उत्तरकाशी पुलिस का ध्येय वाक्य 'सुविधा, सुरक्षा एवं सम्मान' है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मानित मीडिया, स्थानीय जनता, व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं के सतत् सहयोग के साथ यात्रा व्यवस्थाओं को भविष्य में और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं श्रद्धालु-हितैषी बनाया जाएगा।

त्वचा को प्रदूषण और टैन से बचाने के लिए असरदार तरीके

रोजाना कहीं भी आते-जाते हुए प्रदूषण और सूरज की किरणों का सामना करना पड़ता है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रदूषण के कण और सूरज की किरणें त्वचा की चमक को कम कर सकती हैं और टैनिंग का कारण बन सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को इन समस्याओं से बचा सकते हैं और त्वचा की देखभाल सही तरीके से कर सकते हैं।

धूप से बचने के लिए सनस्क्रीन लगाएं- घर से कहीं भी बाहर जाते समय हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाली धूप से बचाने वाली क्रीम लगाएं, जिसे सनस्क्रीन कहा जाता है। यह आपको सूरज की किरणों से बचाएगी और टैनिंग को रोकने में मदद करेगी। इस क्रीम को हर 2-3 घंटे में फिर से लगाएं, खासकर अगर आप लंबे समय तक बाहर रह रहे हैं। ध्यान दें कि क्रीम में सूरज से बचाने की अच्छी क्षमता हो, ताकि यह दिनभर प्रभावी रहे।

चेहरे को कपड़े से ढकें- अगर संभव हो तो अपने चेहरे को एक स्कार्फ या टोपी से ढकें। यह न केवल धूप से, बल्कि प्रदूषण से भी बचाव करेगा। अगर आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं तो चेहरे पर कपड़ा या मास्क भी पहन सकते हैं, जो आपके चेहरे को ढकता है और धूल-मिट्टी को रोकता है। इसके अलावा अगर आप बाइक चलाते हैं तो हेलमेट का उपयोग करें, जिससे आपका चेहरा सुरक्षित रहेगा और प्रदूषण का असर कम होगा।

त्वचा को नमी दें- प्रदूषण आपकी त्वचा को सूखा और बेजान बना सकता है, इसलिए कहीं भी जाने से पहले एक अच्छा मॉइस्चराइजर लगाएं। यह आपकी त्वचा को नमी देगा और उसे मुलायम बनाएगा। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो हल्का जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर चुनें, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी, जिससे आप हर समय ताजा महसूस करेंगे।

हल्का मेकअप करें- अगर आप रोजाना कहीं भी जाएं तो भारी मेकअप करने से बचें, क्योंकि यह प्रदूषण के संपर्क में आने पर आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। हल्का और प्राकृतिक मेकअप ही करें, जैसे कि हल्की क्रीम, काजल और लिप बाम। इससे आपकी त्वचा को हवा लगने का मौका मिलेगा और वह स्वस्थ रहेगी। इसके अलावा मेकअप के उत्पादों में एसपीएफ़ हो तो ज्यादा बेहतर होगा, क्योंकि वे भी आपकी धूप से सुरक्षा कर सकेंगे।।

रोजाना सुबह और रात को अपने चेहरे को साफ करें, ताकि सारी गंदगी और प्रदूषण के कण हट जाएं। हफ्ते में 2 बार हल्का स्क्रब करें, ताकि मृत त्वचा हट जाए और त्वचा ताजगी महसूस करे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को प्रदूषण और टैनिंग से बचा सकते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इससे त्वचा में एक अंदरूनी निखार आएगा और कभी भी चेहरा डल नहीं दिखेगा।

छोटी आंखों को बड़ा दिखाने के लिए अपनाएं ये 5 मेकअप के सुझाव, लगेंगी खूबसूरत

आंखों का आकार हमारे चेहरे की सुंदरता में अहम भूमिका निभाता है। अगर आपकी आंखें छोटी हैं तो मेकअप की मदद से आप उन्हें बड़ा और आकर्षक दिखा सकती हैं। सही तकनीकों और उत्पादों का इस्तेमाल करके आप अपनी आंखों को बड़ा और चमकदार बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स बताएंगे, जिनसे आप अपनी छोटी आंखों को भी बड़ा दिखा सकती हैं।

आंखों के नीचे हल्का कंसीलर लगाएं- आंखों के नीचे हल्का कंसीलर लगाने से आपकी आंखें खुली हुई दिखेंगी। यह तरीका आपकी आंखों को थका हुआ दिखने से बचाता है और उन्हें ताजा बनाता है। कंसीलर को हल्के हाथों से फैला लें, ताकि यह अच्छी तरह से मिल जाए। इससे आपकी आंखें बड़ी और चमकदार दिखेंगी, जिससे आपका पूरा चेहरा निखरा हुआ लगेगा। यह एक सरल तरीका है, जिससे आप अपने लुक को खास बना सकती हैं।

सफेद या हल्का नीला आई लाइनर लगाएं- आंखों के अंदरूनी किनारों पर सफेद या हल्का नीला आई लाइनर लगाने से आपकी आंखें बड़ी दिखती हैं। यह तरीका आपकी आंखों को खुला हुआ और चमकदार बनाता है। सफेद या हल्का नीला रंग आंखों को उज्जवल दिखाता है, जिससे वे बड़ी और आकर्षक लगती हैं। इस तरह का लाइनर आपके लुक को खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है। इसे अपनाकर आप अपने मेकअप को और भी प्रभावी बना सकती हैं।

लैशेस कर्ल करें और काजल लगाएं- लैशेस को कर्ल करना और काजल लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपकी आंखों को बड़ा दिखाने में मदद करता है। घुमावदार उपकरण की मदद से आपकी लैशेस ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं, जिससे आपकी आंखें खुली और बड़ी दिखती हैं। इसके बाद काजल लगाने से आपकी लैशेस घनी और लंबी लगती हैं। यह तरीका आपके लुक को और भी खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है।

आंखों के ऊपर हल्का भूरा रंग लगाएं- आंखों के ऊपर हल्का भूरा रंग लगाने से आपकी आंखें गहरी दिखती हैं, जिससे वे बड़ी लगती हैं। भूरे रंग के आई शैडो को हल्के हाथों से आंखों के ऊपर लगाने से गहरापन आता है। यह तरीका आंखों को आकर्षक बनाता है और उन्हें निखारता है। इससे आपकी आंखें बड़ी और चमकदार दिखती हैं, जिससे आपका पूरा चेहरा निखरा हुआ लगता है। इस तरह का रंग आपके लुक को खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है।

गांववालों को बचाने निकली अक्षय की आर्मी

वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर वाईआरएफ स्टूडियो में एक बड़े इवेंट में लॉन्च किया गया. यह फिल्म वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त है. यह अपनी बड़ी स्टार कास्ट की वजह से पहले ही चर्चा में है. अब, ट्रेलर के बारे में नई जानकारी ने अक्षय कुमार की इस कॉमेडी फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है. वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर 4 मिनट 10 सेकंड का है, जिसमें कॉमेडी, अफरातफरी और कन्फ्यूजन का एक जबरदस्त मिक्स देखने को मिला है. इसकी शुरुआत इंडिया की फर्स्ट 2000 करोड़ी फेक फिल्म से होती है. इसके बाद फिल्म की पूरी कास्ट के अनोखे इंट्रोडक्शन सॉन्ग से होती है. इसके बाद परेश रावल अक्षय कुमार के किरदार से परिचय कराते हैं. अक्षय पहले टॉप के हीरो होते है, लेकिन बाद में वह फ्लॉप के हीरो बन जाते हैं.

ट्रेलर में पता चलता है कि वेलकम के मशहूर किरदार उदय और मजनू के भाई भी है, जिसका किरदार सुनील शेट्टी और अरशद वारसी निभाते हैं. एक फिल्म बनाने के लिए अक्षय कुमार और सारी टीम एक छत के नीचे आते हैं.इसमें वेलकम फिल्म के मशहूर मजनू भाई वाले सीन की झलक भी दिखाई गई है, जिसे अनिल कपूर ने निभाया था और जो फैंस का पसंदीदा पल था- वो था- मजनू भाई की पेटिंग.

इसके बाद परेश वाले बताते हैं कि वे एक फिल्म बना रहे हैं, जो आर्मी पर आधारित है. इसके लिए सभी ट्रेनिंग दी जाती है. इस बीच लारा दत्ता चाबुक चलाती दिखती हैं. ट्रेलर में एक गांव दिखाया जाता है, जहां के लोग गांव को आजाद कराने के लिए आर्मी का इंतजार करते हैं. फिल्म की शूटिंग उनके गांव में होता है. गांव वालों को लगता है कि असली आर्मी उनके गांव को आजाद कराने आई है.

इसके बाद जैकी श्रॉफ की एंट्री होती है, जो विलेन का किरदार निभाते हैं. वह अपने डाकूओं के साथ गांव में घुसते हैं और गोलीबारी करते हैं. इस दौरान अक्षय कुमार और उनकी पूरी स्टार कास्ट को उनके सामने गिड़गिड़ाते हुए नजर आता है.

अक्षय कुमार इस ट्रेलर के अहम हिस्सा है. लंबे समय बाद अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी का एक साथ आना भी ट्रेलर की सबसे चर्चित बातों में से एक है. तीनों एक्टर्स अपनी पुरानी वाली केमिस्ट्री को फिर से दिखा रहे हैं, जिससे हेरा फेरी में उनकी मशहूर तिकड़ी की यादें ताजा हो गई है.

इस फिल्म में कई बड़े कलाकार हैं. अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीस, लारा दत्ता, जैकी श्रॉफ, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और दलेर मेहंदी जैसे कई कलाकार शामिल हैं. अहमद खान के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 26 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

कैटरीना कैफ फिल्मों में वापसी के लिए कस रहीं कमर, स्क्रिप्ट की तलाश में जुटीं

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को आखिरी बार फिल्म मेरी क्रिसमस (2024) में देखा गया था। नवंबर, 2025 में उन्होंने अपने पति विक्की कौशल के साथ बेटे विहान का स्वागत किया, जिसके बाद से अभिनेत्री अभिनय की दुनिया से दूर हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कैटरीना अब कामकाजी दुनिया में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कुछ नई फिल्मों और स्क्रिप्ट को पढ़ना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना ने ओटीटी परियोजनाओं के लिए नई कहानियों को पढ़ना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, हाल ही में मां बनने के बाद कैटरीना कैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ना फिर से शुरू कर दिया है। 2027 के उत्तरार्ध तक किसी फिल्म सेट पर वापसी करने की योजना बना रही हैं और एक ऐसी सही पटकथा की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हैं जो उनके समय के लायक हो।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना किसी भी परियोजना में जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं और स्क्रिप्ट को ध्यान से पढ़ रही हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो उन्हें ओटीटी पर डेब्यू करते हुए देखा जा सकेगा। जाहिर है कि आजकल शाहिद कपूर, मनोज बाजपेयी और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सितारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं। कैटरीना भी ओटीटी पर आने की योजना बन रही हैं। अब देखना होगा कि अभिनेत्री की नई परियोजना का ऐलान कब तक होगा।

स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्थानीय लोगों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि पुल के दोनों ओर बनाए जा रहे पिलर और सीसी ब्लॉक निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। ब्लॉक में खुलेआम बड़े पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे निर्माण की मजबूती पर संदेह पैदा हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पुल चारधाम यात्रा के दौरान प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों के आवागमन का प्रमुख माध्यम बनेगा। इसके अलावा क्षेत्रीय लोगों की आवाजाही भी इसी पुल पर निर्भर रहेगी। ऐसे में निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में गंभीर खतरा साबित हो सकती है। गत वर्ष आपदा के दौरान स्याना चट्टी क्षेत्र में जलभराव और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ था। आगामी बरसात को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से यहां वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बैली ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं कर रही है और पुल के दोनों ओर बनने वाले पिलर की मजबूती को लेकर आवश्यक सावधानी नहीं बरती जा रही है। महावीर पंवार, शैलेंद्र राणा, मुकेश चौहान ने निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराए जाने और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि चारधाम यात्रा जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर बनने वाले पुल की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

डुंडा अस्पताल के बाहर जर्जर भवन में पसरा है बॉयो मेडिकल वेस्ट

उत्तरकाशी(आरएनएस)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुंडा में एकत्रित होने वाले बॉयो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। वहां पर कूड़ा निस्तारण के लिए वाहन नहीं होने के कारण अस्पताल का पूरा कूड़ा खुले में पसरा हुआ है। इससे आसपास के पर्यावरण के साथ ही आवासीय बस्ती आदि क्षेत्रों में प्रदूषण और बीमारी का खतरा बढ़ रहा है।स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सफाई व्यवस्था की हकीकत पीएचसी डुंडा बयां कर रहा है। वहां पर पहले सफाई कर्मी की समस्या है तो उसके बाद अस्पताल का बॉयोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। कूड़ा अस्पताल के सामने जर्जर भवन के भीतर बिखरा है। कूड़े में सीरींज और खराब पड़ा सामान सहित पट्टियां बिखरी हुई हैं। इससे आसपास की आवासीय बस्ती में भी बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार वहां पर जो गाड़ी कूड़ा उठाने आती है। उसका भी समय निर्धारित नहीं है। इसलिए कई बार कूड़ा उठने में देरी हो जाती है। इससे स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वच्छता को लेकर उठाए जा रहे कदमों पर सवाल उठ रहे हैं।

सू- दोकू क्र.070

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.69 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

केवीबीएचईएल हरिद्वार में 55वीं रीजनल स्पोर्ट्स मीट का हुआ समापन

हमारे प्रतिनिधि

हरिद्वार। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) देहरादून रीजन की तीन दिवसीय 55वीं रीजनल स्पोर्ट्स मीट का गुरुवार को केंद्रीय विद्यालय बीएचईएल हरिद्वार में समापन हो गया। प्रतियोगिता में अंडर-14 एवं अंडर-17 वर्ग के बालकों की खो-खो तथा अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के बालकों की शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें क्षेत्र के 24 केंद्रीय विद्यालयों के करीब 160 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि चेयरमैन नॉमिनी वीएमसी एवं एजीएम (एचआर), बीएचईएल हरिद्वार पार्थ सारथी गौड़ा रहे। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश पाल सिंह भी उपस्थित रहे। खो-खो प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग के फाइनल मुकाबले में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सौरखंड ने केवी आईटीबीपी गौचर को हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में केवी बनबसा कैंट ने पीएम श्री केवी कौसानी को पराजित कर ट्रॉफी जीती। दोनों विजेता टीमों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई किया।

शतरंज प्रतियोगिता के अंडर-19 वर्ग में केवी ओएलएफ देहरादून के देवांश मणि प्रथम, केवी आईएमए देहरादून के यथार्थ द्वितीय और केवी भीमताल के प्रतीक तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-17 वर्ग में केवी आईआईपी देहरादून के सीमांत गुसाईं ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि केवी एसएसबी ग्वालदम के श्रेयश दूसरे और केवी एलबीएसएनएए मसूरी के निकुंज तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 वर्ग में केवी खटीमा के अमृतांश पंत ने स्वर्ण, श्रेष्ठ सिंह बिष्ट ने रजत तथा केवी नंबर-2 के आयुष्मान ने कांस्य पदक हासिल किया।

मुख्य अतिथि पार्थ सारथी गौड़ा ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य बृजेश पाल सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता और तनाव प्रबंधन जैसे गुणों का विकास करती हैं। उन्होंने विद्यालय की छात्राओं संध्या और आयुषी को क्रमशः शूटिंग और तैराकी में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई व शुभकामनाएं दी।

डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाई गई स्टील पुल की सामग्री

उत्तरकाशी(आरएनएस)। खलाड़ी गांव की छानियों के समीप कमल नदी पर आपदा में क्षतिग्रस्त हुआ पैदल स्टील पुल की सामग्री के अवशेष को डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाया जा सका है। नदी के बीच पड़े पुल के लोहे के कारण हर बरसात में नदी का बहाव प्रभावित हो रहा है जिससे दोनों ओर की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। इसको लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है।ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2010-11 की आपदा में खलाड़ी छानी और चक चंदेली के बीच कमल नदी पर बना पैदल स्टील पुल क्षतिग्रस्त होकर नदी में गिर गया था। इसके बाद से लोनिवि की ओर से पुल के अवशेष नहीं हटाए गए। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल के लोहे से पानी का बहाव अवरुद्ध होता है और नदी का रुख खेतों की ओर मुड़ जाता है जिससे खलाड़ी, पुजेली, चपटाड़ी, सरमाली और आराकोट क्षेत्र की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। काश्तकारों का कहना है कि पिछले डेढ़ दशक में सैकड़ों नाली उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ आजीविका पर भी संकट खड़ा हो गया है। काश्तकार बलदेव रावत, हकुमत रावत और फकीरचंद रावत, रविन्द्र सजवाण, पवन सजवाण ने बताया कि भूमि कटाव और फसलों को हो रहे नुकसान के संबंध में कई बार विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।विभाग के एई शुभम सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुल के लोहे को हटाने के लिए पूर्व में निविदाएं आमंत्रित की गई थी लेकिन बोलियां अपेक्षित मूल्य से काफी कम थीं। उन्होंने बताया कि लोहे का अनुमानित मूल्य लगभग छह लाख रुपये है। अब शीघ्र ही दोबारा निविदाएं जारी की जाएगी जिसके बाद पुल के अवशेष हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

अल्मोड़ा में मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा, प्रभारी सचिव ने रिस्पांस टाइम घटाने पर दिया जोर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद प्रभारी सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडे ने विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में मानसून सीजन को लेकर आपदा प्रबंधन एवं पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपदा के दौरान त्वरित राहत एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जनपद में की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपदा संवेदनशील स्थलों का चिन्हीकरण, कंट्रोल रूम की स्थापना, विभागीय नोडल अधिकारियों की तैनाती, जेसीबी और डोजर की व्यवस्था, खाद्यान्न एवं दवाओं का अग्रिम भंडारण तथा वैकल्पिक मार्गों की पहचान जैसे कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

समीक्षा के दौरान प्रभारी सचिव डॉ. पांडे ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मानसून स्वयं आपदा नहीं है, बल्कि इसके दौरान होने वाले भूस्खलन, बाढ़ और सड़क अवरुद्ध होने जैसी परिस्थितियां चुनौती बनती हैं।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन प्रशासन का रिस्पांस टाइम न्यूनतम होना चाहिए ताकि प्रभावित लोगों तक राहत और आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंच सकें। उन्होंने सभी विभागों को टीम वर्क की भावना से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का प्रभावी ढंग से सामना सामूहिक प्रयासों से किया जा सकता है। प्रभारी सचिव ने लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, पूर्ति, विद्युत, जल संस्थान और सिंचाई विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने मानसून अवधि में सड़कों को शीघ्र खोलने, अस्पतालों में 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रखने, नदी-नालों के जलस्तर की लगातार निगरानी करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में चेतावनी तंत्र सक्रिय रखने को कहा। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों से सुझाव भी लिए और क्षेत्रीय समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन स्तर पर समाधान योग्य समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराया जाएगा। साथ ही आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के लिए मॉकड्रिल आयोजित करने तथा संचार व्यवस्था, वायरलेस सेट और सैटेलाइट फोन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश पुरोहित, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण एवं अधिशासी अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम धामी के प्रयासों से यूनाइटेड किंगडम में हो रही है कैप्टन की मदद

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम में हिरासत में लिए गए उत्तराखण्ड निवासी कैप्टन अजय पंत के मामले में भारतीय उच्चायोग, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों के क्रम में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस संबंध में भारत के लंदन स्थित उच्चायोग द्वारा मुख्यमंत्री धामी को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

उच्चायोग के अनुसार कैप्टन अजय पंत वर्तमान में एचएमपी विनचेस्टर में न्यायिक हिरासत में हैं। 19 जून 2026 को उच्चायोग ने जेल की टेलीफोन व्यवस्था के माध्यम से उनसे संपर्क स्थापित किया था। इस बातचीत में कैप्टन पंत ने स्वयं को स्वस्थ बताते हुए कहा कि उन्हें जेल परिसर में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं। साथ ही वो अपनी पत्नी के साथ भी नियमित संपर्क में हैं।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उच्चायोग ने बताया कि इस मामले को यूनाइटेड किंगडम के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय के समक्ष भी उठाया गया है, ताकि कैप्टन पंत को समयबद्ध कांसुलर सहायता उपलब्ध हो सके तथा उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उच्चायोग कैप्टन पंत की पत्नी, उनके नियोक्ता कंपनी एनर्जियोस मैरीटाइम प्राइवेट लिमिटेड, कानूनी प्रतिनिधियों तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ भी लगातार संपर्क बनाए हुए है। कंपनी ने कैप्टन पंत को कानूनी सहायता एवं परिवार को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

उच्चायोग ने बताया है कि कैप्टन पंत को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई 2026 को निर्धारित है। उच्चायोग ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि कैप्टन पंत एवं उनके परिवार को आवश्यक कांसुलर सहायता और सहयोग निरंतर उपलब्ध कराया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य सरकार अपने नागरिकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है तथा कैप्टन अजय पंत के मामले में भारत सरकार, विदेश मंत्रालय एवं भारतीय उच्चायोग के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवसः बच्चों की कला ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

हमारे संवाददाता

टिहरी। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित नशा मुक्त भारत पखवाड़ा एवं अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर आज एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में कोतवाली कीर्तिनगर में स्कूली बच्चों के लिए नशे के विरुद्ध चित्रकला (आर्ट) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी सृजनात्मक कला के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया तथा समाज को नशामुक्त बनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम स्थान डौली (राजकीय इंटर कॉलेज, कीर्तिनगर), द्वितीय स्थान मानसी (राजकीय इंटर कॉलेज, कीर्तिनगर) तथा तृतीय स्थान इशान (शैम्फोर्ड स्कूल) ने प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले अन्य सभी बच्चों को उनके उत्साहवर्धन हेतु सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी बच्चों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई तथा उन्हें नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं जागरूक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कोतवाली कीर्तिनगर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बच्चों को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा 'नशामुक्त समाज' के निर्माण में जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

केन्द्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया दो दिवसीय पूर्व छात्र सम्मेलन का शुभारंभ

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पंडित गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित दो दिवसीय पूर्व छात्र सम्मेलन का शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वे हरित क्रांति की पावन भूमि पंतनगर में आकर धन्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय भारतीय कृषि के इतिहास का गौरवशाली केंद्र है, जिसने देश को वैज्ञानिक, नीति-निर्माता, कृषि उद्यमी तथा उत्कृष्ट मानव संसाधन प्रदान कर कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड देश ही नहीं, बल्कि विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की ओर अग्रसर है।

चौहान ने पंतनगर विश्वविद्यालय को परंपरा, आधुनिकता और अनुसंधान का त्रिवेणी संगम बताते हुए कहा कि देश आज लगभग 377 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है। देश के अन्न भंडार पूरी तरह भरे हुए हैं तथा चावल उत्पादन में भारत, चीन को पीछे छोड़कर विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि गेहूं का उत्पादन भी अधिशेष है तथा भारतीय गेहूं एवं बासमती चावल की मांग विश्वभर में लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में पंतनगर विश्वविद्यालय का योगदान अतुलनीय है और इसलिए वे इस पावन भूमि को बार-बार नमन करते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पारंपरिक फसलों के संरक्षण पर बल देते हुए फल एवं विविध कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। साथ ही उन्होंने कृषि उत्पादन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों एवं विशेषज्ञों की समिति बनाकर ठोस सुझाव देने का आह्वान किया, ताकि उन पर गंभीरता से विचार किया जा सके। इससे पहले, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंतनगर संग्रहालय एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ धान की फसल की रोपाई भी की। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने पंतनगर विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हरित क्रांति की जननी पंतनगर विश्वविद्यालय में उपस्थित सभी अतिथियों एवं पूर्व छात्रों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राज्य गठन के बाद हमारी कृषि भूमि अवश्य कम हुई है, लेकिन कृषि उत्पादन में 3 लाख टन की वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा, त्रिलोक सिंह चीमा, बंशीधर भगत, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, हुकम सिंह कुंवर, रणजीत सिंह नामधारी, सचिव डॉ. एस. एन. पांडे, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, कुलसचिव दीपा विनय सहित अनेक अधिकारी एवं पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में नाबालिग को मारी गोली, उपचार के दौरान मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। रुद्रपुर क्षेत्र में पुरानी रंजिश ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। लालपुर चौकी क्षेत्र के टिब्बा इलाके में बीती शाम एक 17 वर्षीय युवक विक्रांत बागी को नजदीक से गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक ने हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात दम तोड़ दिया है। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, विक्रांत का किच्छा क्षेत्र के सैजनी गांव निवासी एक युवक से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बीती शाम कहासुनी बढ़ने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर तमंचे से फायर कर दिया और मौके से फरार हो गया। गोली लगने से घायल विक्रांत को परिजन पहले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर देखते हुए उसे हल्द्वानी रेफर किया गया।

हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं, जबकि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है।

इंटरनेशनल मार्केट में पहुंची उत्तराखंड की मछलीः बहुगुणा

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य निर्माण के बाद पहली बार उत्तराखंड की मछली इंटरनेशनल मार्केट में पहुंची हैं। पिथौरागढ़ जिले की तीन सहकारी समितियों ने राज्य सरकार के सहयोग से नेपाल को पांच मीट्रिक टन मछलियां सप्लाई की हैं। अच्छी खबर ये भी है कि उत्तराखंड आने वाले दिनों में करीब 30 टन मछलियों के निर्यात की तैयारी कर रहा है।

राज्य सचिवालय के मीडिया सेंटर में आज मत्स्य विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रेस कॉफ्रेंस में यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पिथौरागढ़ के धारचूला एवं मुनस्यारी क्षेत्र की तीन मत्स्य जीवी सहकारी समितियों ने ये मछलियां तैयार की थीं। कोल्ड-चेन बनाए रखते हुए मछली को गुजरात के वेरावल भेजा गया, जहां प्रसंस्करण के बाद 23 जून 2026 को नेपाल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका सफलतापूर्वक निर्यात किया गया। इससे 33 मत्स्य पालकों को लगभग 23.50 लाख रूपये की आय प्राप्त हुई है। कैबिनेट मंत्री के अनुसार उत्तराखंड के इस पहले निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु मत्स्य विभाग ने हार्वेस्टिंग, पैकेजिंग एवं परिवहन के लिए 5.40 लाख रूपये की गैप फंडिंग सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि दुबई में आयोजित गल्फ फूड एक्सपो के दौरान अंतरराष्ट्रीय खरीदारों एवं हितधारकों से स्थापित संपर्कों का यह सकारात्मक परिणाम है। विभाग अब यूरोप, मध्य-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य बाजारों में भी निर्यात की संभावनाओं पर कार्य कर रहा है। इस क्रम में आने वाले दिनों में करीब 30 टन मछली का निर्यात विदेशों में किए जाने की तैयारी की जा रही है।

●राज्य बनने के बाद पहली बार पांच मीट्रिक टन रेनबो ट्राउट मछली का निर्यात
●पिथौरागढ़ की तीन सहकारी समितियों ने किया था प्रोडक्शन
●आने वाले दिनों में 30 टन मछली सप्लाई करने की तैयारी

मत्स्य पालन मंत्री सौरभ बहुगुणा के अनुसार मत्स्य पालकों को विपणन सहायता उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2024 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ एमओयू किया गया, जिसके अंतर्गत अब तक 2.10 करोड़ रूपये मूल्य की 45.10 मीट्रिक टन ट्राउट मछली की आपूर्ति की जा चुकी है। प्रेस कॉफ्रेंस में निदेशक मत्स्य चंद्र सिंह धर्मशक्तू भी उपस्थित रहे।

पांच वर्षीय मासूम का अपहरण व दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। पांच वर्षीय मासूम का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अपहरण के कुछ घंटो बाद भी मासूम को पुलिस ने बरामद कर लिया था। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में भी कुकर्म व पोक्सो एक्ट के आरोप में कई जेलो में सजा काट चुका है।

जानकारी के अनुसार बीती 23 जून को कोतवाली पिथौरागढ में एक व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री (उम्र 5 वर्ष)के समय दोपहर करीब एक बजे से लापता होने के सम्बन्ध मे गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी। गुमशुदगी की जांच के दौरान पुलिस ने जब क्षेत्र के सीसी कैमरे खंगाले तो पता चला कि एक अंजान व्यक्ति गुमशुदा बालिका को अपने साथ ले जा

❑आरोपी पोक्सो व कुकर्म के आरोप में पूर्व में भी जा चुका है जेल

रहा है। पुलिस टीम की अथक मेहनत के उपरान्त गुमशुदा नाबालिग बालिका को गुम होने के 8 घण्टे के भीतर टनकपुर तिराहे के पास से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने नाबालिग बालिका की काउंसिलिंग तथा विधिवत मेडिकल परीक्षण कराकर घटना के सम्बन्ध मे विवेचक द्बारा पूछताछ की गयी । मेडिकल परीक्षण के आधार पर नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि हुई,जिसके आधार पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। इस पर पुलिस ने फिर से सीसी कैमरों की जांच की तो घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति की पहचान होशियार सिंह निवासी रई धनौड़ा पिथौरागढ के रूप मे हुई। जिसे पुलिस ने बीती रात पुनेड़ी महर को जाने वाली रोड पर स्थित बैण्ड के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा स्वंय का घटना को अंजाम दिया जाना स्वीकार किया गया है। पुलिस पूछताछ यह जानकारी हुई कि आरोपी होशियार सिंह पूर्व मे वर्ष 2022 मे कोतवाली पिथौरागढ से ही कुकर्म व पोक्सो एक्ट में जेल जा चुका है। जिसमें आरोपी द्बारा एक 11 वर्ष के नाबालिग बालक के साथ कुकर्म की घटना को अजांम दिया गया था।

राम मंदिर चंदा चोरी विवादः अध्यक्ष चंपत राय व अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से इस्तीफा दिया!

हमारे प्रतिनिधि

अयोध्या। राम मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में अध्यक्ष चंपत राय-अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा नैतिकता के आधार पर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख और एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। एसआईटी की सिफारिश पर मामले में पहली एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी है। इस मामले में पुलिस ने नामजद आठों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की तहरीर पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में बृहस्पतिवार को रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमाशंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव तथा मनीष कुमार यादव नामक व्यक्तियों और कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सूत्रों के अनुसार चोरी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक षड्यंत्र समेत विभिन्न आरोपों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित दान और चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने विशेष जांच का अनुरोध किया था जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रकरण की जांच के लिए 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि एसआईटी की निष्पक्ष जांच से श्दूध का दूध और पानी का पानीश होकर रहेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्राथमिकी में नामजद रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के बारे में बताया गया है कि वह ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का पहले वाहन चालक रहा है। विवाद शुरू होने के बाद, टिन्नू ने पैसे गिनने में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया और इन आरोपों के लिए अज्ञात ईर्ष्यालु लोगों को जिम्मेदार ठहराया।

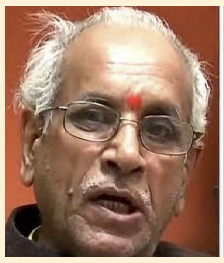

भारी मात्रा में गांजे सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 3 किलो 946 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली बहादराबाद पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर गांजे की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पुराना पावर हाउस, बहादराबाद क्षेत्र में एक सदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से बैग में रखा गया 3 किलो 946 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम कुर्बान पुत्र जाकिर निवासी बेडपुर, थाना कलियर, हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

हरिद्वार जमीन घोटाले में आईएएस के घर विजिलेंस की छापेमारी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनपद के चर्चित जमीन घोटाले को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अब इस घोटाले को लेकर विजिलेंस टीम एक्शन में आ गई है। विजिलेंस की टीम ने कार्रवाई तेज करते हुए जिन लोगों के नाम एफआईआर में शामिल हैं, उनके

दिल्ली सहित कई ठिकानों पर रेड जारी

ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विजिलेंस टीम दस्तावेजों और साक्ष्यों की तलाश में अलग-अलग ठिकानों पर पहुंची है। सीओ हर्षवार्धिनी सुमन की जांच के बाद इस पूरे प्रकरण में कार्रवाई ने रफ्तार पकड़ी है। बताया जा रहा है कि उनकी जांच रिपोर्ट में कई अहम तथ्य सामने आए थे। इस प्रकरण में कुछ लोगों पर

विभागीय कार्रवाई हुई है। जबकि कुछ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सूत्र का कहना है कि आईएएस वरुण चौधरी के दिल्ली स्थित आवास पर भी विजिलेंस टीम सर्च के लिए पहुंची है। विजिलेंस मुख्यालय इस पूरी कार्रवाई की सीधी मॉनिटरिंग कर रहा है। सर्च कार्रवाई में जमीन से जुड़े दस्तावेज, फाइलें और अन्य अहम साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं। बता दें कि हरिद्वार के इस जमीन घोटाले को लेकर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे। वहीं अब विजिलेंस की सक्रियता से साफ संकेत है कि जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

राजनीति से ऊपर प्रदेश का अमन-चैन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में निहंग विवाद को लेकर सियासी बयानबाजी के बीच भाजपा ने कड़ा रुख अपनाते हुए साफ संदेश दिया है कि देवभूमि की शांति, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। पार्टी ने कहा कि भाजपा के लिए चुनावी राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण प्रदेश का आपसी भाईचारा, अमन-चैन और सामाजिक सद्भाव है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड की पहचान सदियों से धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक विविधता और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की रही है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति या संगठन यदि प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा ने कहा कि कुछ लोग संवेदनशील घटनाओं को राजनीतिक रंग देकर समाज में भ्रम और तनाव पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी का मानना है कि ऐसे मामलों में सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए और कानून को अपना काम करने देना चाहिए।

❑निहंग विवाद पर सियासी घमासान के बीच भाजपा ने दिया कड़ा संदेश

पार्टी ने दोहराया कि भाजपा की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और प्रदेश में शांति का वातावरण कायम रखना है। किसी भी समुदाय विशेष के खिलाफ माहौल बनाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि चारधाम यात्रा, पर्यटन और धार्मिक आस्था के केंद्र के रूप में उत्तराखंड की पहचान पूरे देश और दुनिया में है। यदि प्रदेश में तनाव या अस्थिरता का माहौल बनता है तो इसका असर केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पर्यटन, निवेश और राज्य की छवि पर भी पड़ेगा। इसी कारण सरकार और संगठन दोनों की जिम्मेदारी है कि किसी भी संवेदनशील घटना को समय रहते नियंत्रित किया जाए और शांति व्यवस्था बनाए रखी जाए।

भाजपा ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला बोलते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल हर संवेदनशील मुद्दे में राजनीतिक लाभ तलाशने की कोशिश करते हैं। ऐसे समय में जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका समाज को जोड़ने की होनी चाहिए, न कि लोगों को बांटने की। पार्टी का कहना है कि उत्तराखंड की जनता समझदार है और वह सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा ने स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है। यदि किसी ने कानून हाथ में लिया है या शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया है तो उसके खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी ने प्रशासन द्वारा संयम और सतर्कता के साथ स्थिति संभालने की भी सराहना की।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।